# PAPER-III
# HINDI

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ...............................................
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

**J 2 0 1 6**

Time : **2 ½** hours]  [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **75**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   **Example :** ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   **उदाहरण :** ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

## हिन्दी

### प्रश्नपत्र – III

**निर्देश :** इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

**1.** 'चौपाई' छंद का पूर्व रूप है :

(1) पद्धड़िया (2) पज्झटिका
(3) अरिल्ल (4) चौपई

**2.** "डिंगल कवियों की वीर-गाथाएं, निर्गुणिया संतों की वाणियाँ, कृष्ण भक्त या रागानुगा भक्तिमार्ग के साधकों के पद, राम-भक्त या वैधी भक्तिमार्ग के उपासकों की कविताएं, सूफी साधना से पुष्ट मुसलमान कवियों के तथा ऐतिहासिक हिन्दू कवियों के रोमांस और रीति-काव्य – ये छहों धाराएँ अपभ्रंश कविता का स्वाभाविक विकास हैं ।" – यह कथन किसका है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल (2) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) रामविलास शर्मा (4) राहुल सांकृत्यायन

**3.** कुंडलिनी के उद्‌बुद्ध होने पर जो स्फोट होता है, उसे क्या कहते हैं ?

(1) नाद (2) बिन्दु
(3) प्रकाश (4) सिद्धि

**4.** स्वामी अग्रदास का संबंध किस भक्ति-शाखा से है ?

(1) ज्ञानमार्गी शाखा (2) प्रेममार्गी शाखा
(3) रामभक्ति शाखा (4) कृष्णभक्ति शाखा

**5.** जायसी ने अपनी किस काव्यकृति में कयामत का वर्णन किया है ?

(1) मसलानामा (2) अखरावट
(3) आखिरी कलाम (4) कहरानामा

**6.** विशिष्टाद्वैत के प्रस्तोता आचार्य हैं :

(1) रामानुजाचार्य (2) रामानंद
(3) शंकराचार्य (4) मध्वाचार्य

**7.** गौड़ीय संप्रदाय के संस्थापक हैं :

(1) हरिदास निरंजनी (2) लालदास
(3) हितहरिवंश (4) चैतन्य महाप्रभु

**8.** ‘हितचौरासी’ के रचयिता हैं :

(1) नंददास (2) हितहरिवंश

(3) छीतस्वामी (4) स्वामी हरिदास

**9.** “यह सूचित करने की आवश्यकता नहीं है कि न तो सूर का अवधी पर अधिकार था और न जायसी का ब्रजभाषा पर ।” – यह कथन किसका है ?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी (2) नगेन्द्र

(3) रामचंद्र शुक्ल (4) रामकुमार वर्मा

**10.** ‘गिरा अरथ, जल बीचि सम कहियत भिन्न न भिन्न ।

बंदौं सीताराम पद जिनहि परम प्रिय खिन्न ।।’

उक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं ?

(1) केशवदास (2) तुलसीदास

(3) ईश्वरदास (4) नागरीदास

**11.** “धर्म का प्रवाह कर्म, ज्ञान और भक्ति, इन तीन धाराओं में चलता है । इन तीनों के सामंजस्य से धर्म अपनी पूर्ण सजीव दशा में रहता है । किसी एक के भी अभाव से वह विकलांग रहता है ।” – यह कथन किस आलोचक का है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल (2) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) राहुल सांकृत्यायन (4) रामविलास शर्मा

**12.** इनमें से किस कवि ने ‘नखशिख’ शीर्षक से काव्य ग्रंथ की रचना नहीं की ?

(1) कुलपति मिश्र (2) सूरति मिश्र

(3) नृपशम्भू (4) पजनेस

**13.** ‘अंग दर्पण’ किस कवि की रचना है ?

(1) रसलीन (2) मुबारक

(3) बेनी प्रवीन (4) रामसिंह

**14.** ‘चिरजीवो जोरी जुरै क्यों न सनेह गँभीर ।

को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के बीर ।।’

‘वृषभानुजा’ और ‘हलधर’ में कौन-सा अलंकार है ?

(1) यमक (2) प्रतीप

(3) श्लेष (4) ब्याजस्तुति

15. ‘पानिप अपार घन आनँद उकति ओछी
जतन जुगति जोन्ह कौन पै नपति है ।’
उक्त काव्यांश में कवि क्या कहना चाहता है ?
(1) नायिका का सौंदर्य वर्णन असंभव नहीं है ।
(2) नायिका के सौंदर्य से अच्छी कवि की उक्ति है ।
(3) नायिका के सौंदर्य की तुलना में मेरी उक्ति निकृष्ट है ।
(4) नायिका का सौंदर्य और कवि की उक्ति दोनों अच्छे हैं ।

16. “अष्टछाप में सूरदास के पीछे इन्हीं का नाम लेना पड़ता है । इनकी रचना भी बड़ी सरस और मधुर है । इनके संबंध में यह कहावत प्रसिद्ध है कि “और कवि गढ़िया, नंददास जड़िया ।” यह कथन किस आलोचक का है ?
(1) रामचंद्र शुक्ल (2) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) रामकुमार वर्मा (4) नंददुलारे वाजपेयी

17. निम्नलिखित में से मैथिलीशरण गुप्त की कौन-सी रचना नायिका प्रधान नहीं है ?
(1) यशोधरा (2) पंचवटी
(3) साकेत (4) विष्णुप्रिया

18. ‘छोड़ द्रुमों की मृदु छाया
तोड़ प्रकृति से भी माया
बाले ! तेरे बाल-जाल में कैसे उलझा दूँ लोचन ?’
इन काव्यपंक्तियों के रचयिता हैं :
(1) रामनरेश त्रिपाठी (2) जयशंकर प्रसाद
(3) सुमित्रानंदन पंत (4) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

19. दिनकर की किस कृति का कथानायक कर्ण है ?
(1) कुरुक्षेत्र (2) रश्मिरथी
(3) परशुराम की प्रतीक्षा (4) उर्वशी

20. ‘अब तक क्या किया,
जीवन क्या जिया,
ज्यादा लिया और दिया बहुत-बहुत कम....’
उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता हैं :
(1) अज्ञेय (2) रघुवीर सहाय
(3) शमशेर बहादुर सिंह (4) मुक्तिबोध

**21.** 'मौन भी अभिव्यंजना है :
जितना तुम्हारा सच है
उतना ही कहो ।'
'मौन' के इस रचनात्मक संदर्भ की अभिव्यक्ति अज्ञेय ने अपनी किस काव्य कृति में की है ?
(1) इंद्रधनुष रौंदे हुए ये (2) पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ
(3) आँगन के पार द्वार (4) हरी घास पर क्षण भर

**22.** 'विद्रोहिणी अम्बा' नाटक के रचयिता हैं :
(1) सेठ गोविंददास (2) चन्द्रगुप्त विद्यालंकार
(3) गोविन्दवल्लभ पंत (4) उदयशंकर भट्ट

**23.** निम्नलिखित में से किस नाटक का प्रच्छन्न नायक गौतम बुद्ध हैं ?
(1) अजातशत्रु (2) विक्रमादित्य
(3) लहरों के राजहंस (4) दशाश्वमेध

**24.** निम्नलिखित में से कौन-सा नाटककार सर्वाधिक नाटकों का रचयिता है ?
(1) ज्ञानदेव अग्निहोत्री (2) लक्ष्मीनारायण लाल
(3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (4) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

**25.** 'पूस की रात' कहानी का प्रमुख पात्र है :
(1) माधव (2) अलगू
(3) हल्कू (4) रग्घू

**26.** 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के लेखक हैं :
(1) धर्मवीर भारती (2) कमलेश्वर
(3) राजेन्द्र यादव (4) मोहन राकेश

**27.** 'आवारा मसीहा' औपन्यासिक जीवनी किसके जीवन पर आधारित है ?
(1) शरतचंद्र (2) बंकिमचंद्र
(3) महात्मा गांधी (4) विवेकानंद

**28.** इनमें से कौन-सा उपन्यास भीष्म साहनी द्वारा रचित नहीं है ?
(1) झरोखे (2) कड़ियाँ
(3) बसंती (4) पीढ़ियाँ

**29.** नागार्जुन द्वारा रचित मछुआरों के जीवन पर आधारित उपन्यास है :

(1) बूँद और समुद्र (2) वरुण के बेटे

(3) सागर, लहरें और मनुष्य (4) डूब

**30.** 'माटी की मूरतें' के लेखक हैं :

(1) जगदीशचन्द्र माथुर (2) विष्णु प्रभाकर

(3) रामवृक्ष बेनीपुरी (4) पद्मसिंह शर्मा

**31.** 'कर्मवीर' पत्रिका के संपादक थे :

(1) माखनलाल चतुर्वेदी (2) सोहनलाल द्विवेदी

(3) गुलाबराय (4) श्यामसुन्दर दास

**32.** महात्मा गांधी की जीवनी 'अकाल पुरुष गांधी' के लेखक हैं :

(1) गिरिराज किशोर (2) जैनेन्द्र कुमार

(3) यशपाल (4) इलाचन्द्र जोशी

**33.** इनमें से कौन सा संस्मरणात्मक ग्रंथ कृष्णा सोबती द्वारा रचित है ?

(1) हम हशमत (2) यादें और बातें

(3) दीवानखाना (4) स्मृतियों के छंद

**34.** 'कविता कवि व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व से पलायन है ।' – यह कथन किसका है ?

(1) लूकाच (2) कॉलरिज

(3) आई.ए.रिचर्ड्स (4) टी.एस. इलियट

**35.** 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' के लेखक हैं :

(1) वर्ड्सवर्थ (2) टी.एस. इलियट

(3) कॉलरिज (4) आई.ए.रिचर्ड्स

**36.** 'पेरिइप्सुस' के आधार पर 'काव्य में उदात्त तत्व' की अवधारणा का प्रवर्तन किसने किया ?

(1) अरस्तू (2) लौंजाइनस

(3) टी.एस.इलियट (4) आई.ए.रिचर्ड्स

**37.** 'श्रेष्ठ कविता प्रबल मनोवेगों का सहज उच्छलन है, किन्तु इसके पीछे कवि की विचारशीलता और गहन चिन्तन होना चाहिए ।' – यह विचार किस पाश्चात्य चिंतक का है ?

(1) कॉलरिज (2) क्रोचे

(3) लेविस (4) वर्ड्सवर्थ

**38.** 'नया साहित्य : नये प्रश्न' ग्रंथ के लेखक हैं :

(1) नगेन्द्र (2) शांतिप्रिय द्विवेदी

(3) नन्ददुलारे वाजपेयी (4) हजारीप्रसाद द्विवेदी

**39.** 'प्रतिभा' का संबंध किससे है ?

(1) काव्य हेतु (2) काव्य-स्वरूप

(3) काव्य प्रयोजन (4) काव्य लक्षण

**40.** 'कविवचनसुधा' के संपादक थे :

(1) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (2) राधाकृष्णदास

(3) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (4) अम्बिकादत्त व्यास

**41.** रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) ज्ञानदीप, इन्द्रावती, प्रेमरतन, हंसजवाहिर (2) इन्द्रावती, प्रेमरतन, ज्ञानदीप, हंसजवाहिर

(3) प्रेमरतन, इन्द्रावती, हंसजवाहिर, ज्ञानदीप (4) ज्ञानदीप, प्रेमरतन, हंसजवाहिर, इन्द्रावती

**42.** रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) मृगावती, चंदायन, मधुमालती, चित्रावली (2) चंदायन, मृगावती, मधुमालती, चित्रावली

(3) मधुमालती, चंदायन, चित्रावली, मृगावती (4) चित्रावली, मधुमालती, चंदायन, मृगावती

**43.** जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :

(1) भूषण, चिंतामणि, केशवदास, सेनापति (2) सेनापति, भूषण, केशवदास, चिंतामणि

(3) केशवदास, सेनापति, चिंतामणि, भूषण (4) सेनापति, केशवदास, भूषण, चिंतामणि

**44.** जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन, प्रतापनारायण मिश्र, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जगमोहन सिंह

(2) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रतापनारायण मिश्र, जगमोहन सिंह, बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन

(3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन, प्रतापनारायण मिश्र, जगमोहन सिंह

(4) प्रतापनारायण मिश्र, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन, जगमोहन सिंह

**45.** जयशंकर प्रसाद की निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :

(1) कानन कुसुम, आँसू, झरना, लहर (2) आँसू, कानन कुसुम, लहर, झरना

(3) झरना, लहर, आँसू, कानन कुसुम (4) कानन कुसुम, झरना, आँसू, लहर

**46.** जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) नागार्जुन, त्रिलोचन, भवानीप्रसाद मिश्र, नरेश मेहता

(2) त्रिलोचन, नागार्जुन, नरेश मेहता, भवानीप्रसाद मिश्र

(3) नागार्जुन, भवानीप्रसाद मिश्र, त्रिलोचन, नरेश मेहता

(4) भवानीप्रसाद मिश्र, त्रिलोचन, नागार्जुन, नरेश मेहता

**47.** प्रकाशन वर्ष के अनुसार भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) कबिरा खड़ा बजार में, हानूश, आलमगीर, माधवी

(2) हानूश, कबिरा खड़ा बजार में, माधवी, आलमगीर

(3) हानूश, माधवी, कबिरा खड़ा बजार में, आलमगीर

(4) माधवी, कबिरा खड़ा बजार में, आलमगीर, हानूश

**48.** कथावस्तु को प्रधान फल की प्राप्ति की ओर अग्रसर कराने वाले चमत्कारपूर्ण अंश को अर्थ प्रकृति कहा जाता है । इन पाँच अर्थ प्रकृतियों का सही अनुक्रम है :

(1) बिंदु, पताका, प्रकरी, बीज, कार्य

(2) पताका, बीज, बिंदु, कार्य, प्रकरी

(3) बीज, बिंदु, प्रकरी, पताका, कार्य

(4) बीज, बिंदु, पताका, प्रकरी, कार्य

**49.** प्रकाशन वर्ष के अनुसार मृदुला गर्ग के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) उसके हिस्से की धूप, चित्तकोबरा, मैं और मैं, कठगुलाब

(2) चित्तकोबरा, उसके हिस्से की धूप, मैं और मैं, कठगुलाब

(3) उसके हिस्से की धूप, मैं और मैं, कठगुलाब, चित्तकोबरा

(4) कठगुलाब, चित्तकोबरा, मैं और मैं, उसके हिस्से की धूप

**50.** प्रकाशन वर्ष के आधार पर जयशंकर प्रसाद के कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) प्रतिध्वनि, छाया, आकाशदीप, इन्द्रजाल

(2) छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप, इन्द्रजाल

(3) इन्द्रजाल, छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप

(4) आकाशदीप, छाया, इन्द्रजाल, प्रतिध्वनि

**51.** प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) सूनी घाटी का सूरज, मकान, सीमाएँ टूटती हैं, विश्रामपुर का संत

(2) सूनी घाटी का सूरज, सीमाएँ टूटती हैं, मकान, विश्रामपुर का संत

(3) सीमाएँ टूटती हैं, सूनी घाटी का सूरज, मकान, विश्रामपुर का संत

(4) मकान, सूनी घाटी का सूरज, विश्रामपुर का संत, सीमाएँ टूटती हैं

**52.** प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :

(1) क्या भूलूँ क्या याद करूँ, बसेरे से दूर, टुकड़े टुकड़े दास्तान, जो मैंने किया

(2) बसेरे से दूर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े टुकड़े दास्तान, जो मैंने किया

(3) टुकड़े टुकड़े दास्तान, जो मैंने किया, बसेरे से दूर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ

(4) जो मैंने किया, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, बसेरे से दूर, टुकड़े टुकड़े दास्तान

**53.** प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबंध-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) कल्पलता, कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल

(2) कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल, कल्पलता

(3) आलोक पर्व, कल्पलता, अशोक के फूल, कुटज

(4) अशोक के फूल, कल्पलता, कुटज, आलोक पर्व

**54.** प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(1) आधुनिक हिन्दी साहित्य, रस सिद्धांत, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन

(2) रस सिद्धांत, आधुनिक हिन्दी साहित्य, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन

(3) आधुनिक हिन्दी साहित्य, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन, रस सिद्धांत

(4) आधुनिक हिन्दी साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन, रस सिद्धांत, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य

**55.** प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से डॉ. नगेन्द्र के आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(1) भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, काव्य में उदात्त तत्त्व, साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका

(2) भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, काव्य में उदात्त तत्त्व, भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, साहित्य का समाजशास्त्र

(3) काव्य में उदात्त तत्त्व, भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, साहित्य का समाजशास्त्र

(4) भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, काव्य में उदात्त तत्त्व

**निर्देश** : प्रश्न संख्या **56** से **65** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं । इनमें से एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है । कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए ।

**56.** **स्थापना (Assertion) (A) :** 'रसौ वै सः ।'

**तर्क (Reason) (R) :** इसीलिए रस को ब्रह्मास्वाद सहोदर कहा गया है ।

(1) (A) सही और (R) गलत

(2) (A) गलत और (R) सही

(3) (A) और (R) दोनों सही

(4) (A) और (R) दोनों गलत

57. **स्थापना (Assertion) (A) :** छायावाद केवल व्यक्ति के प्रेम, सौंदर्य और यौवन की कविता है ।

**तर्क (Reason) (R) :** इसीलिए उसमें सामाजिक नैतिकता की उपेक्षा मिलती है ।

(1) (A) सही और (R) गलत (2) (A) गलत और (R) सही

(3) (A) और (R) दोनों सही (4) (A) और (R) दोनों गलत

58. **स्थापना (Assertion) (A) :** रहस्य-भावना के लिए द्वैत की स्थिति भी आवश्यक है और अद्वैत का आभास भी ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि एक के अभाव में विरह की अनुभूति असंभव हो जाती है और दूसरे के बिना मिलन की इच्छा आधार खो देती है ।

(1) (A) सही और (R) गलत (2) (A) गलत और (R) सही

(3) (A) और (R) दोनों सही (4) (A) और (R) दोनों गलत

59. **स्थापना (Assertion) (A) :** प्रसाद के अनुसार काव्य मन और आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है, जिसका संबंध विश्लेषण, विकल्प या विज्ञान से नहीं है ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि काव्य आत्मा की मनन-शक्ति की वह असाधारण अवस्था है जो श्रेय सत्य को उसके मूल चारुत्व में सहसा ग्रहण कर युगों की समष्टि अनुभूतियों में अंतर्निहित शाश्वत चेतनता का काव्यमय सृजन करती है । इसीलिए छायावादी काव्य की मूल चेतना रहस्यवादी है ।

(1) (A) गलत और (R) सही (2) (A) और (R) दोनों सही

(3) (A) और (R) दोनों गलत (4) (A) सही और (R) गलत

60. **स्थापना (Assertion) (A) :** शुद्ध वियोग का दुख केवल प्रिय के अलग हो जाने की भावना से उत्पन्न क्षोभ या विषाद है जिसमें प्रिय के दुख या कष्ट आदि की कोई भावना नहीं रहती ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि जिस व्यक्ति से किसी की घनिष्टता और प्रीति होती है वह उसके जीवन के बहुत से व्यापारों तथा मनोवृत्तियों का आधार होता है ।

(1) (A) सही और (R) गलत (2) (A) गलत और (R) सही

(3) (A) और (R) दोनों सही (4) (A) और (R) दोनों गलत

61. **स्थापना (Assertion) (A) :** आद्य बिंब आदिम मनुष्य की ऐंद्रिक कल्पना है ।

**तर्क (Reason) (R) :** इसीलिए आगे चलकर कथात्मक तत्त्वों के सम्मिलन से यही आद्य बिंब मिथक के रूप में विकसित हुआ ।

(1) (A) सही और (R) गलत (2) (A) गलत और (R) सही

(3) (A) और (R) दोनों सही (4) (A) और (R) दोनों गलत

**62.** **स्थापना (Assertion) (A) :** रस व्यापक स्तर पर भारतीय काव्य का महत्त्वपूर्ण तत्त्व है इसीलिए संपूर्ण हिन्दी कविता का एकमात्र निकष रस है ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि स्वतंत्रता के बाद तक की हिन्दी कविता का मूल्यांकन रस की शास्त्रीय पद्धति द्वारा ही संभव है ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) और (R) दोनों सही
(4) (A) और (R) दोनों गलत

**63.** **स्थापना (Assertion) (A) :** साहित्य जनता की आभिजात्य चित्तवृत्तियों का प्रतिबिंब है ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि साहित्य में अभिव्यक्त भाव और विचार जन सामान्य की धरोहर नहीं होते ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) और (R) दोनों सही
(4) (A) और (R) दोनों गलत

**64.** **स्थापना (Assertion) (A) :** साहित्य लेखक के विशिष्ट व्यक्तित्व का प्रकाशन है ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि जनसमूह के पास अपने अनुभवों को व्यक्त करने की कलात्मक सामर्थ्य नहीं होती ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) और (R) दोनों सही
(4) (A) और (R) दोनों गलत

**65.** **स्थापना (Assertion) (A) :** दार्शनिकता और अनुभूति संपन्नता से ही व्यक्तित्व का समाजीकरण नहीं हो जाता ।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि व्यक्तित्व के समाजीकरण के लिए अपनी शक्तियों को मानव कल्याण और सामाजिक कार्य की ओर उन्मुख करना होता है ।

(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) गलत और (R) सही
(3) (A) और (R) दोनों सही
(4) (A) और (R) दोनों गलत

**66.** निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | रास पंचाध्यायी | (i) | रसखान |
| (b) | प्रेम वाटिका | (ii) | सेनापति |
| (c) | कवित्व रत्नाकर | (iii) | नंददास |
| (d) | बरवै नायिका भेद | (iv) | आलम |
| | | (v) | रहीम |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (i) | (iii) | (v) |
| (2) | (i) | (ii) | (v) | (iii) |
| (3) | (iv) | (ii) | (v) | (i) |
| (4) | (iii) | (i) | (ii) | (v) |

**67.** निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | कौन परी यह बानि, अरी ।<br>नित नीर भरी गगरी ढरकावै ।। | (i) | द्विजदेव |
| (b) | यह प्रेम को पंथ कराल महा ।<br>तरवारि की धार पै धावनौ है । | (ii) | प्रताप साहि |
| (c) | चोजिन के चोजी, मौजिन के महाराज<br>हम कविराज हैं, पैचाकर चतुर के | (iii) | बोधा |
| (d) | चांदनी के भारन दिखात उनयो सो चंद,<br>गंध ही के भारन बहत मंद मंद पौन ।। | (iv) | पजनेस |
| | | (v) | ठाकुर |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (iii) | (v) | (i) |
| (2) | (i) | (v) | (iii) | (ii) |
| (3) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (4) | (v) | (ii) | (i) | (iii) |

**68.** निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | प्रबंध चिंतामणि | (i) | श्रीधर |
| (b) | रणमल्ल छंद | (ii) | जैनाचार्य मेरुतुंग |
| (c) | जयचंद प्रकाश | (iii) | मधुकर कवि |
| (d) | जयमयंक जसचंद्रिका | (iv) | भट्ट केदार |
| | | (v) | दामोदर |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (2) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (3) | (ii) | (iii) | (v) | (i) |
| (4) | (iii) | (v) | (iv) | (ii) |

**69.** निम्नलिखित कविताओं को उनके प्रकाशन वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | प्रेम माधुरी | (i) | 1886 |
| (b) | एकांतवासी योगी | (ii) | 1925 |
| (c) | हिमतरंगिणी | (iii) | 1875 |
| (d) | नीहार | (iv) | 1948 |
| | | (v) | 1930 |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) |
| (2) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (3) | (iii) | (i) | (iv) | (v) |
| (4) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |

**70.** निम्नलिखित कविताओं को उनके प्रकाशन वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | कुकुरमुत्ता | (i) | 1933 |
| (b) | हुंकार | (ii) | 1942 |
| (c) | भग्नदूत | (iii) | 1936 |
| (d) | प्रेमसंगीत | (iv) | 1939 |
| | | (v) | 1937 |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (2) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) |
| (3) | (v) | (iii) | (ii) | (i) |
| (4) | (ii) | (iv) | (i) | (v) |

**71.** निम्नलिखित पात्रों को संबंधित रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | राधा | (i) | राम की शक्ति पूजा |
| (b) | जाम्बवान | (ii) | असाध्य वीणा |
| (c) | युधिष्ठिर | (iii) | प्रियप्रवास |
| (d) | केशकंबली | (iv) | विजय पथ |
| | | (v) | महाप्रस्थान |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (2) | (iii) | (i) | (v) | (ii) |
| (3) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (4) | (v) | (i) | (ii) | (iii) |

**72.** निम्नलिखित स्त्री चरित्रों को संबंधित नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | शीलवती | (i) | पहला राजा |
| (b) | शर्मिष्ठा | (ii) | द्रौपदी |
| (c) | सुरेखा | (iii) | सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक |
| (d) | उर्वी | (iv) | देवयानी का कहना है |
| | | (v) | देहान्तर |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (2) | (iii) | (v) | (ii) | (i) |
| (3) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) |
| (4) | (iv) | (v) | (iii) | (ii) |

**73.** निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | भाग्यवती | (i) | अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध |
| (b) | नूतन ब्रह्मचारी | (ii) | श्रद्धाराम फिल्लौरी |
| (c) | अधखिला फूल | (iii) | राधाकृष्ण दास |
| (d) | आदर्श दंपति | (iv) | बालकृष्ण भट्ट |
| | | (v) | लज्जाराम मेहता |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (iv) | (i) | (v) |
| (2) | (iii) | (ii) | (v) | (iv) |
| (3) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (4) | (v) | (ii) | (i) | (iii) |

**74.** निम्नलिखित आत्मकथाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | पानी बिच मीन पियासी | (i) | रमणिका गुप्ता |
| (b) | आज के अतीत | (ii) | रवीन्द्र कालिया |
| (c) | पिंजरे की मैना | (iii) | मिथिलेश्वर |
| (d) | हादसे | (iv) | भीष्म साहनी |
| | | (v) | चंद्रकिरण सौनरेक्सा |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (ii) | (iii) | (iv) | (v) |
| (2) | (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (3) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (4) | (iii) | (iv) | (v) | (i) |

**75.** निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

| | **सूची – I** | | **सूची – II** |
|---|---|---|---|
| (a) | भरत | (i) | साहित्य दर्पण |
| (b) | धनंजय | (ii) | नाट्य दर्पण |
| (c) | सागरनंदी | (iii) | नाट्य शास्त्र |
| (d) | रामचंद्र गुणचंद्र | (iv) | दशरूपक |
| | | (v) | नाटक लक्षण रत्नकोष |

**कूट :**

| | (a) | (b) | (c) | (d) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (iii) | (iv) | (v) | (ii) |
| (2) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (3) | (iv) | (i) | (ii) | (v) |
| (4) | (ii) | (iii) | (v) | (iv) |

**Space For Rough Work**

## उत्तरमाला

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. (D) | 2. (B) | 3. (A) | 4. (C) | 5. (C) | 6. (A) | 7. (D) | 8. (B) | 9. (C) | 10. (B) |
| 11. (A) | 12. (D) | 13. (A) | 14. (C) | 15. (C) | 16. (A) | 17. (B) | 18. (C) | 19. (B) | 20. (B) |
| 21. (B) | 22. (D) | 23. (C) | 24. (B) | 25. (C) | 26. (A) | 27. (A) | 28. (D) | 29. (B) | 30. (C) |
| 31. (A) | 32. (B) | 33. (A) | 34. (A) | 35. (C) | 36. (B) | 37. (D) | 38. (C) | 39. (A) | 40. (A) |
| 41. (D) | 42. (B) | 43. (C) | 44. (C) | 45. (D) | 46. (C) | 47. (D) | 48. (D) | 49. (A) | 50. (B) |
| 51. (B) | 52. (D) | 53. (D) | 54. (A) | 55. (B) | 56. (C) | 57. (C) | 58. (C) | 59. (D) | 60. (C) |
| 61. (A) | 62. (D) | 63. (D) | 64. (C) | 65. (C) | 66. (D) | 67. (A) | 68. (A) | 69. (C) | 70. (C) |
| 71. (B) | 72. (C) | 73. (A) | 74. (D) | 75. (A) | | | | | |